

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,
सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

निबन्धक,
लोक सेवा अधिकरण,
देहरादून ।

न्याय अनुभाग - 2

देहरादून : दिनांक : 10 मार्च, 2008

विषय:- लोक सेवा अधिकरण को पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2007-2008 में धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-33/लो०से०अधि०/देहरादून, दिनांक 25.2.2008 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें ।

2. इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या 3-दो(4)/XXXVI(1)(2)/2007-1-दो(4)/07, दिनांक 17.7.2007 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लोक सेवा अधिकरण के उपयोगार्थ वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 में मानक मद संख्या-15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद के सम्प्रति बजट में कोई धनराशि अवशेष न होने के कारण तथा वर्तमान में आवश्यकता के दृष्टिगत संलग्न बी०एम०-15 के स्तम्भ-1 में अंकित मद संख्या-04-यात्रा व्यय में अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से बी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में अंकित मद संख्या-15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद में रुपये 50,000/- (पचास हजार रुपये मात्र) की धनराशि को व्यावर्तित कर व्यय करने की महामहिम राज्यपाल निम्न शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(I) प्रत्येक माह होने वाले व्यय की सूचना प्रपत्र बी०एम०-13 में अंकित कर उपलब्ध कराया जाय ।

(II) उक्त धनराशि बजट मैनुअल के सम्बन्धित नियमों तथा शासन के अन्य आदेशों द्वारा विनियमित होगी ।

(III) यह भी सुनिश्चित करें कि उपर्युक्त अनुदान से अधिक व्यय किसी भी दशा में न किया जाय ।

3. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-04-लोक सेवा अधिकरण-00-15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद" से किया जायेगा ।

4. यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अशासकीय संख्या यू०ओ०1444/XXVII(5)/2008, दिनांक 5.3.2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्नक : बी०एम०-15

भवदीय,

(आर०डी०पालीवाल)
सचिव ।

संख्या : 6-दो(4)/XXXVI(1)/2007-08-1-दो(4)/07-तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।
- 4- एन०आई०सी०/सम्बन्धित सहायक/गार्ड बुक ।

अज्ञात से,

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव ।

पुनर्विनियोग 2007-2008 आयोजनेत्तर

नियंत्रक अधिकारी का नाम- निबन्धक, लोक सेवा अधिकरण ।

प्रशासनिक विभाग का नाम- न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून ।

बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण

1	2	3	4	5	6	7	8
2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-04-लोक सेवा अधिकरण-00-				2014-न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-04-लोक सेवा अधिकरण-00-			
04-यात्रा व्यय	170	37	90 - क	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	374	120	
	170	37	90	50	374	120	क-बचत होने के कारण । ख- प्राविधान कम एवं आवश्यकता अधिक होने के कारण ।

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट में अनुअल के परिच्छेद 150-156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया गया है ।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त विभाग

संख्या-1444-क/वित्त अनुभाग-5/2008

देहरादून : दिनांक : 5 मार्च, 2008

पुनर्विनियोग स्वीकृत

सेवा में,

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी),

उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहरनपुर रोड,

माजरा, देहरादून ।



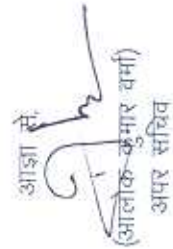
(टी० एन० सिंह) 3 मार्च

अपर सचिव, वित्त ।

संख्या- 6-दो(4)/XXXVI(1)/2007-08-1-दो(4)/07-तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निबन्धक, लोक सेवा अधिकरण ।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
- 3- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन ।
- 4- गार्ड फ़ाइल ।

आज्ञा में,

 (अलोक कुमार वर्मा)
 अपर सचिव